पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने ओड़िशा दिवस का उद्घाटन किया

लखनऊः 01 अप्रैल, 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज संत गाडगे प्रेक्षागृह गोमती नगर में लखनऊ ओड़िया समाज द्वारा आयोजित ओड़िशा दिवस का उद्घाटन किया। राज्यपाल द्वारा विशिष्ट अतिथि पद्मश्री डा॰ देबी प्रसन्न पटनायक भाषा विशेषज्ञ एवं पूर्व निदेशक भारतीय भाषा, केन्द्रीय संस्थान मैसूर को 'लखनऊ ओड़िया साहित्य सम्मान' प्रदान किया गया। इस अवसर पर लखनऊ ओड़िया समाज के अध्यक्ष श्री गोपबंधु पटनायक, सचिव संस्कृति श्री हरिओम, श्री वाई0पी0 सिंह निदेशक अयोध्या शोध संस्थान, प्रो0 डी0आर0 साहू सहित बड़ी संख्या में ओड़िया समाज के सदस्य उपस्थित थे। राज्यपाल ने इस अवसर पर एक स्मारिका व पुस्तक शाही यात्रा का लोकार्पण किया।

राज्यपाल ने उद्घाटन के पश्चात् अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि 'ओड़िशा दिवस पर अब तक तीन बार आया हूँ। राज्यपाल का कार्यकाल पांच साल का होता है। आगे भी आऊंगा। इस आयोजन को 23 वर्ष हो गये हैं। रजत जयंती समारोह लखनऊ ओड़िया समाज धूम-धाम से मनाये।' उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन से अपनत्व को भाव मिलता है। अपनी भाषा अपना समाज और अपनी संस्कृति की विशेषता होती है कि जब कोई अपनी भाषा बोलने वाला मिलता है तो स्वाभाविक रूप से आनन्द प्राप्त होता है।

श्री नाईक ने कहा कि 1 अप्रैल, 1936 में उड़िसा को भाषा के आधार पर राज्य का दर्जा मिला। ओड़िशा की अपनी समृद्ध संस्कृति है। भगवान जगन्ननाथ की रथ यात्रा उसकी संस्कृति की पहचान है। हमारी संस्कृति में भाषा महत्वपूर्ण अंग है। बच्चों को मातृभाषा में शिक्षा दें, क्योंकि मातृभाषा समझने में उन्हें आसानी होती है। अच्छे संस्कार अपनी भाषा के माध्यम से ज्यादा आसानी से पहुँचते हैं। भाषा की दृष्टि से यह बात बहुत महत्व की होती है। उन्होंने कहा कि सभी भारतीय भाषाओं का उत्थान होना चाहिये।

राज्यपाल ने कहा कि ओड़िशा दिवस 1 अप्रैल को मनाया जाता है। उसी तरह महाराष्ट्र दिवस का आयोजन 1 मई को होता है। मुंबई में रहने वाले उत्तर प्रदेशवासी गत 26 वर्षों से उत्तर प्रदेश दिवस मनाते हैं। मगर उत्तर प्रदेश में कोई बड़ा आयोजन उत्तर प्रदेश दिवस के नाम से नहीं होता है। 'जो भी सरकार होती है वह राज्यपाल की होती है। मैंने अपनी पूर्व सरकार को उत्तर प्रदेश दिवस मनाने की सलाह दी थी मगर कोई सफलता नहीं मिली। अब अपनी नयी सरकार को उत्तर प्रदेश दिवस मनाने के लिये विचार करने को कहूँगा।' उन्होंने कहा कि 1 मई को राजभवन में महाराष्ट्र दिवस का आयोजन किया जायेगा जिसमें अन्य आयोजन के साथ श्री जी0डी0 मडगुलकर द्वारा रचित गीत रामायण का भी कार्यक्रम रखा जायेगा।

कार्यक्रम में ओड़िशा से आये कलाकारों ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया तथा प्रसिद्ध नृत्यांगना सुश्री निवेदिता महापात्र ने ओड़िशी नृत्य भी प्रस्तुत किया।

अंजुम/ललित/राजभवन (122/1)

ओड़िशा दिवस
ଓଡିଶା ଦିବସ

ଓଡ଼ିଶା ଦିବସ